शहीदों की आवाज़ कल्याण संघ (पंजीकृत)
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)
Head Off. S.C.F- 326, F.F, Motor Market, Manimajra, Chandigarh. Ph. 0172-4662218
93161-31225, 94669-83525
Email:- vijaysangwan587@gmail.com
www.voiceofmartyrs.in
Welfare Association
अपने लिए जिये तो क्या जिये...
आओ हम सब मिलकर बने आवाज़ शहीदों की

Vijay Kr. Sangwan
President

No.VOM/104/14
Date 05/05/2014

सेवा में,

महामहिम, राष्ट्रपति महोदय,

भारत सरकार, दिल्ली |

विषय :- **मातृभूमि के लिये शहीद हुये वीर सैनिकों के परिवार आज भी हैं सरकारों की बेरुखी का शिकार |**

परमश्रेष्ठ ,

हमारे देश का वीर सैनिक जिसके कन्धों पर देश की पूर्ण सुरक्षा का उत्तरदायित्व है | वह अपना फ़र्ज़ पूर्ण निष्ठा के साथ निभा रहा है | अपने परिवार की भी परवाह न करते हुए हिमालय की बर्फीली चोटियों पर, कहीं रेतीले मैदानों में दिन रात मुस्तैदी के साथ अपना फर्ज निभाते हुये देश की शरहदों की रक्षा कर रहा है, तो कहीं देश को कमजोर करने वाली ताकतों से लोहा ले रहा है और मातृभूमि के लिये हंसते-हंसते अपने प्राणों तक का बलिदान दे रहा है| हमें उनकी शहादत पर नाज़ है| परन्तु क्या उन शहीद परिवारों के लिये केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों का अधिक उत्तर दायित्व नहीं बनता ?

हमने पिछले कुछ दिनो में गाँव-गाँव जाकर युद्ध के दौरान या अन्य कारणों से शहीद हुये वीर जवानों के परिवारों से मुलाकात कर उनकी दु:ख तख़लीफों के साथ-साथ सरकारों द्वारा दी गयी सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की | खास तौर पर वर्ष 1962, 1965 व 1971 में हमारे पड़ोसी मुल्क चीन और पाकिस्तान के साथ हुये युद्ध के दौरान हमारी मातृभूमि कि रक्षा करते हुये वीरगति को प्राप्त शहीदों के परिवारों की दयनीय स्थिति और सरकारों द्वारा मरणोपरांत दी गयी सहायता राशी के बारे में जान कर बहुत दु:ख हुआ | उस समय सरकारों द्वारा केवल 1500/- रुपये के बॉण्ड जारी किये गये थे जिसका भुगतान भी एक वर्ष बाद हुआ था | आज भी उन शहीद परिवारों के लिये सबसे कष्टदायक पीड़ा यह है कि उस समय किसी भी शहीद का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार तो क्या, अंतिम दर्शनों तक के लिये प्राप्त नहीं हुआ | हम मानते है उस वक्त देश कि माली हालत ठीक नहीं थी | परन्तु अब तो हम वित्तीय सहायता के रूप में उन शहीद परिवारों की मदद बड़ी आसानी से कर सकते हैं|

वर्ष 1971 के उपरान्त श्रीलंका व अन्य देशों में भारतीय सेना को भेजा गया था | उस समय भी वीर सैनिकों की शहादत पर केवल 3-4 लाख रुपये की राशी सहायता के रूप में दी गयी

...2

थी और बहुत से ऐसे परिवार है जिनको गैस एजैंसी, पैट्रोल पम्प इत्यादि जीविका के कोई भी साधन उपलब्ध नहीं करवाये गये थे |

हमें समाचार पत्रों के माध्यम से जान कर बड़ा दु:ख होता है कि आम जनता की मेहनत की कमाई से नेताओं के खाने की एक थाली की कीमत 7721/- रुपयी चुकाई जाती है | जब कि अपनी मातृभूमि के लिये शहीद परिवार के सदस्यों (बच्चों) को 7000-8000 की नौकरी पाने के लिये भी चक्कर लगाने पड़ते हैं | लानत है ऐसी सोच पर, जिसके कारण शहीदों के परिवार सरकारों की बेरुखी का शिकार हो रहे हैं |

1.) **मान्यवर यहाँ पर कुछ ऐसे उधाहरण है जो गोर करने योग्य है| हम किसी का विरोध नहीं कर रहे है | प्रजातंत्र है, इसमें सबका अधिकार है |**

i) जब हम खेलों में पदक विजेताओं को 2 से 5 करोड़ रुपये और बिना किसी लिखित परीक्षा / साक्षात्कार के उच्च पदों पर नियुक्ति दे रहेहैं, तो शहीद की शहादत पर ऐसा क्यों नहीं कर सकते ? यह बहुत बड़ी विडम्बना है कि सरकार मरणोपरांत भी वीर सैनिकों की शहादत पर केवल 10-11 लाख रुपये देकर फर्ज अदा करती हैं | जो शहीद अपने परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी अधूरी छोड़, अपनी मातृभूमि के लिये दुनिया से चले जाते है | उनके परिवार के प्रति यह अपमान क्यों ?

ii) हमारे देश की राजनीतिक पार्टियाँ फिल्मो के हीरो-हेरोइनों को लोक सभा और राज्य सभा के सदस्यों के रूप में चुनती हैं / मनोनित करती हैं, जो एक-एक फिल्म का 100-100 करोड़ रुपये तक लेते हैं और चकाचोंध की जिन्दगी जीते हैं | जहाँ अपना ही स्वार्थ निहीत होता है | परन्तु दु:ख इस बात का है कि तमाम राजनीतिक पार्टीयों द्वारा देश के असली हीरो (शहीदों) के परिवरों को पिछे छोड़ दिया जाता है, जिनकी रगों में आज़ादी, वफ़ादारी कूट-कूट कर भरी है और कृतव्यनिष्ठा का खून दोड़ता है |

जिन माताओं के लाल देश पर कुर्बान (शहीद) हुए हों, जिन बहनों के भाई बिछुड़ गए जिनकी राखियाँ सिमट गयी हों, कितनी ही विरांगनायें हैं जिन्होने देश पर अपना सिन्दूर तक कुर्बान कर दिया और आँखों का नीर सु:ख गया हो | बच्चे अनाथ हो गए जिनके पांव बाप की गोद् की बजाये कठोर पथ पर पड़े हों | जिन शहीदों ने संसद भवन की नींव को अपने खून से सींचा हो | जिनकी शहादत पर देश गर्व महशूश करता हो | क्या वो शहीद परिवार सांसद या विधायक बनने के सही हक़दार नहीं ?

2. **अब हमें अपना हक चाहिए, जिसके हम सही हकदार है | यही है आवाज़ शहीदों की |**

i) हमें शहीदों के परिवारों के लिये वही कानून चाहिये जिस कानून के तहत खिलाड़ियों को पदक लाने पर 5 करोड़ रुपये और नौकरी दी जाती है, उसी प्रकार की सहायता राशी और कम से कम परिवार के एक सदस्य को हर हालात में बिना किसी परीक्षा / साक्षात्कार के उसकी शैक्षिक योग्यता के आधार पर नौकरी प्रदान की जाये|

...3

ii) हमें संसद भवन में लोकसभा व राज्यसभा तथा विधानसभाओं में सीटें आरक्षित की जायें (जैसे महिलाओं और एस.सी / बी.सी के लिये आरक्षित है), ताकि शहीद परिवारों को भी देश की सर्वोच पंचयतों में पहुंच कर देश सेवा करने का अवसर मिल सके, जिसकी बुनियाद उन वीरों की शहादत पर टिकी हैं, जिन्होने देश सेवा में अपने जीवन का बेहतरीन बलिदान दिया है, उन शहीदों के स्मारकों के सामने, उनके सम्मान में सिर खुदबखुद झुक जाते हैं |

iii) वर्ष 1962, 1965 व 1971 तथा श्रीलंका व अन्य देशों में भेजी गयी सेना के दौरान से लेकर अब तक शहीद हुए वीर सैनिकों के परिवारों को, जिन्हे गैस एजैंसी, पैट्रोल पम्प या अन्य जीविका के साधन उपलब्ध नहीं करवाये गए हैं, उन शहीद परिवारों को राज्य सरकारों व भारत सरकार द्वारा कम से कम एक-एक करोड़ रुपए सहायता राशी के रूप में तुरन्त उपलब्द करवाई जाये, ताकि सही मायनों में शहीदों के परिवारों के साथ इंसाफ कर सकें | जो परमात्मा की सेवा करने के समान होगा |

परमश्रेष्ठ , यह कोई राजनीतिक मंच की मांग नहीं है | यहाँ तो आँखें नम हैं, जिनकी रोशनी धुंदली हो चुकी है, चेहरे मुरझाये हुए हैं, जिनकी सूनी आँखें टिमटिमाते दिये की लो में अपने आप को खोज रही हैं | जिस दिन इनके दु:खी हृदय की गहराई से शहीदों की टीस आह बनकर निकलेगी, उस दिन बड़े-बड़े सिंघासन डोल जायेंगे |

महामहिम महोद्य हमें विश्वास है कि हमारी मांगों को नजरअंदाज़ नहीं किया जाएगा और इन पर तहे दिल से अमल करते हुये सही कदम उठाये जाएंगे |

धन्यवाद सहित

जय हिन्द !

विश्वासपूर्वक,

09/05/14

President
Voice of Martyrs Welfare
Association (Regd.)

VOICE OF MARTYRS WALFARE ASSOCIATION

पृष्ठांकन क्रमांक : VOM/111-139/14
दिनांक:09/05/2014

उपरोक्त की प्रति निम्नलिखित को पूर्ण आशा के साथ आवश्यक कार्यवाही हेतु आदर सम्मान सहित प्रेषित की जाती है:-

1 माननीय, प्रधानमंत्री भारत सरकार, नयी दिल्ली |

2 माननीय, रक्षा मंत्री भारत सरकार, नयी दिल्ली |

3 माननीय, प्रमुख सेना अध्यक्ष भारत सरकार, नयी दिल्ली |

4 महामहिम, राज्यपाल आंध्र प्रदेश / उप – राज्यपाल नयी दिल्ली |

5 माननीय, मुख्य मंत्री राज्य सरकार (सभी राज्य सरकारें)

To,

The Excellency, Lieutenant Governor
State of Delhi

Subject: Regarding providing help to the families of the martyrs who have sacrificed their lives for the sake of the motherland.

Respected Sir,

I am enclosing here with a copy of the letter addressed to the Excellency, President of India and copy of which was sent to the hon'ble Prime Minister of India, hon'ble Defence Minister of India, hon'ble Chief of the Army Staff of India and the hon'ble Chief Minister of all the states, with a ray of hope that justice will be done with the martyrs' families who have not been met with the way they deserve since long and are living in the miserable conditions.

In this regard we humbly request you to please support our demands given in this letter with the Govt. of India so that the martyrs' families may also spend a prosperous life. We also request you to kindly provide financial help to the martyrs' families (accredited) in your state by creating special funds for them. We have firm belief in the motto:

"Help to Martyrs' Families is really help to the GOD....."

Jai hind

DA/ As above

Yours sincerely,

No. VOM/138/14
Date 09/05/14

09/05/14
(VIJAY KR. SANGWAN)
President
Voice Of Martyr's Welfare Association (Regd.)
Regd. Off. # 587, Sec-21, (Park Corner)
Panchkula, Haryana-134112

VOICE OF MARTYRS WALFARE ASSOCIATION
Head Office
S.C.F. 326 1st Floor

Address to
His Excellency
President
of India

To,

The Excellency, Governor
State of Andhra Pradesh

Subject: Regarding providing help to the families of the martyrs who have sacrificed their lives for the sake of the motherland.

Respected Sir,

I am enclosing here with a copy of the letter addressed to the Excellency, President of India and copy of which was sent to the hon'ble Prime Minister of India, hon'ble Defence Minister of India, hon'ble Chief of the Army Staff of India and the hon'ble Chief Minister of all the states, with a ray of hope that justice will be done with the martyrs' families who have not been met with the way they deserve since long and are living in the miserable conditions.

In this regard we humbly request you to please support our demands given in this letter with the Govt. of India so that the martyrs' families may also spend a prosperous life. We also request you to kindly provide financial help to the martyrs' families (accredited) in your state by creating special funds for them. We have firm belief in the motto:

"Help to Martyrs' Families is really help to the GOD....."

Jai hind

DA/ As above

Yours sincerely,

No. VOM/139/14
Date 09/05/14

09/05/14

(VIJAY KR. SANGWAN)
President
Voice Of Martyr's Welfare Association (Regd.)
Regd. Off. # 587, Sec-21, (Park Corner)
Panchkula, Haryana-134112

VOICE OF MARTYRS WALFARE ASSOCIATION
Head Office
S.C.F. 326 1st Floor
Motor Market Mullanpur

his Excellency
President of
India

(11)

To,

The hon'ble Chief Ministers
of All States of India

Subject: Regarding providing help to the families of the martyrs who have sacrificed their lives for the sake of the motherland.

Respected Sir,

I am enclosing here with a copy of the letter addressed to the Excellency, President of India and copy of which was sent to the hon'ble Prime Minister of India, hon'ble Defence Minister of India, hon'ble Chief of the Army Staff of India and the hon'ble Chief Minister of all the states, with a ray of hope that justice will be done with the martyrs' families who have not been met with the way they deserve since long and are living in the miserable conditions.

In this regard we humbly request you to please support our demands given in this letter with the Govt. of India so that the martyrs' families may also spend a prosperous life. We also request you to kindly provide financial help to the martyrs' families (accredited) in your state by creating special funds for them. We have firm belief in the motto:

"Help to Martyrs' Families is really help to the GOD....."

Jai hind

DA/ As above

Yours sincerely,

No.- VOM/140-166/14 (all states)
Dated: 09/05/2014

09/05/14

(VIJAY KR. SANGWAN)
President
Voice Of Martyr's Welfare Association (Regd.)
Regd. Off. # 587, Sec-21, (Park Corner)
Panchkula, Haryana-134112

President of India

(14)

To,

The hon'ble Chief Minister,
State of Haryana
Chandigarh.

Subject: Regarding providing help to the families of the martyrs who have sacrificed their lives for the sake of the motherland.

Respected Sir,

I am enclosing here with a copy of the letter addressed to the Excellency, President of India and copy of which was sent to the hon'ble Prime Minister of India, hon'ble Defence Minister of India, hon'ble Chief of the Army Staff of India and the hon'ble Chief Minister of all the states, with a ray of hope that justice will be done with the martyrs' families who have not been met with the way they deserve since long and are living in the miserable conditions. A copy has already been sent to your office vide letter No. VOM/108/14 dated 5/5/14

In this regard we humbly request you to please support our demands given in this letter with the Govt. of India so that the martyrs' families may also spend a prosperous life. We also request you to kindly provide financial help to the martyrs' families (accredited) in our state by creating special funds for them. We have firm belief in the motto:

"Help to Martyrs' Families is really help to the GOD....."

Jai hind

DA/ As above

Yours sincerely,

No. VOM/167/14
Dated: 12/05/2014

12/05/14

(VIJAY KR. SANGWAN)
President
Voice Of Martyr's Welfare Association (Regd.)
Regd. Off. # 587, Sec-2, Panchkula
Panchkula, Haryana-134112

President
Voice of Martyrs Welfare
Association (Regd.)

VOICE OF MARTYRS WALFARE ASSOCIATION
Head Office
S.C.F. 326, 1st Floor

शहीदों की आवाज़ कल्याण सं... (पंजीकृत)
Voice of Martyrs Welfare Associ... (Regd.)
Regd. Office : # 587, (Park Corner) Sec. 21, P... 112
Mobile: 09316131... 525
E-mail : vijaysangwan587@gmail.com | Web : www...s.in
Welfare Association (Regd.)
जिये तो ऐसा जिये
सब मिलकर बने आवाज शहीदों की

Vijay Kr. Sangwan
President

No. VOM/GEN/4788-4819/11
Date : 04/09/2014

स्मरण-पत्र

सेवा में,

माननीय, मुख्यमन्त्री,
सभी राज्य सरकार, भारत |

विषय :- मातृभूमि के लिये शहीद वीर सैनिक आश्रित परिवारों को सम्मान के साथ-साथ आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने हेतु केन्द्र सरकार को सिफारिश भेजने के सम्बध में |

महोद्य,

नम्र निवेदन यह है कि हमने अपने यादी क्रमांक वी.ओ.एम./138-167/14 दिनांक 09/05/14 के साथ पत्र क्रमांक वी.ओ.एम./104/14 दिनांक 05/05/14 जो कि महामहिम राष्ट्रपती महोद्य, भारत सरकार को सम्बोधित है, कि प्रति पृष्ठांकन क्रमांक वी.ओ.एम./109-137/14 दिनांक 09/05/14 जिसकी प्रति माननीय, प्रधानमन्त्री भारत सरकार, माननीय, रक्षामन्त्री भारत सरकार, माननीय, सेना प्रमुख भारत सरकार, व महामहिम राज्यपाल, अन्द्रप्रदेश एवं महामहिम उप राज्यपाल, दिल्ली के साथ-साथ सभी राज्यों के माननीय, मुख्यमन्त्री को प्रेषित करते हुए राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया था, की हमारी मांगों की सिफारिश केन्द्र सरकार को भेजी जाये | और राज्य सरकारों की और से शहीद परिवारों को विशेष वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाये जो शहीदों का सम्मान और उनके आश्रितों का मान होगा |

महोद्य, हम सब जानते है कि हमारे वीर जवान पीर पंजाल से उपर की बर्फिली चोटियों, बाढ़मेर-जैसलमेर के रेगिस्थान, नेपाल-चीन से लेकर ब्रह्मा तक की कष्टकारी राष्ट्रीय सीमा तथा समस्त तटीय क्षेत्र की सुरक्षा के लिये भारतीय सैनिक शून्य से निम्नबिन्दु के तापमान पर, 50° की उच्चतम गर्मी तथा सीलन व उमस भरे पूर्वी व तटीय क्षेत्र में आधिरात एवं दोपहर की चिलचिलाती धूप में भी मुस्तैद दिखता है, जब देश का समस्त संभ्रान्त वर्ग (अधिकारी एवं राजनेता) चैन की नींद सोता है |

महोद्य, वर्ष 1962, 1965, 1971 व 1999 कारगिल युद्ध से लेकर श्रीलंका, सुडान इत्यादि अन्य देशों में भेजी गयी शान्ति सेना के दौरान अब तक जितने भी वीरों ने मातृभूमि एवं मानवता के लिये अपने जीवन का बेहतरीन बलिदान दिया है | उन में से कुछ परिवारों को छोड़ कर बहुताय में विपणता का जीवन यापन कर रहे हैं | सरकारी तौर पर कुछेक परिवारों को पैट्रोल पम्प या गैस एजेन्सी दी गई हैं | परन्तु ज्यादातर परिवार आज भी साधन हीन बेरोजगार है , जो पहाडों में पत्थर तोडने व मजदूरी करने को मजबूर हैं | क्या उन शहीद परिवारों के साथ ऐसा होना शहीदों की शहादत का अपमान नहीं है | फिर शहीद आश्रित सरकारों की बेरुखी का शिकार क्यों ?

महोद्य, उन अमर शहीदों के परिवार जिन्होने अपना सहारा जवानी की दहलीज पर ही देश के लिये कुर्बान कर दिया हो, उनको केन्द्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा सम्मान जनक जीवन जीने के साधन आर्थिक सहायता/व्यावसायिक प्रतिष्ठान के रूप में प्रदान करती है तो, यह सवा अरब भारतियों के

गौरव का विषय होगा। यदी हम शहीद आश्रित परिवारों को पूर्ण मान सम्मान दें जिसके वो हकदार हैं। तथा युवाओं को सरकारी नीतियों के माध्यम से यह गारंटी दे की राष्ट्र के लिये काम आने वाले के परिवार को राष्ट्रीय धरोहर मान कर उनकी हर प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ती करना केन्द्र व राज्य सरकारों का उत्तरदायित्व होगा, तो भविष्य में किसी सैनिक का सिर कलम करना तो दूर की बात है, हमारे ललाट की तराफ भी दुश्मन उंगली उठाने का दुस्साहस नहीं करेगा।

महोद्य, हमारा महान भारत देश ही है जो दुनिया में इसी लिये महान है कि हमारे पास एक कोमल ह्रदय है, उसकी सुनते हैं और महसूस भी करते हैं। आप कृपया अपने दिल की गहराइयों से जाने और सोचें की जिन शुरवीरों ने अपनी 20 से 30 वर्ष की आयु में देश के लिये अपने जीवन का बलिदान दिया हो, उनके परिवारों पर दु:खों का कितना बड़ा पहाड़ टूटा होगा। परंतु यह सोच कर दिल को सुकून और गर्व महसूस जरूर होता है कि बहादुर माँ का लाल, बहन का भाई, एक पत्नी का सुहाग और मासूम का बाप 125 करोड़ भारतीयों के लिये काम आया और अपना फ़र्ज़ अदा कर दुनिया से रुक्षत हो गया। लेकिन सरकार द्वारा अभी अपना पूर्ण फ़र्ज़ अदा करना बाकी है, जो काफी हद तक निम्नलिखित मांगे मान कर पूरा किया जा सकता है, जिसके लिये कोई भी देश का कानून या समाज का विरोध आड़े नहीं आने वाला।

1. **खिलाडियों की तरह शहीद की शहादत पर कम से कम 2 से 5 करोड़ सहायता राशि और परिवार के एक सदस्य को उसकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर बिना किसी परीक्षा और साक्षात्कार के नौकरी प्रदान की जाये।**
2. **लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभाओं में सीटें आरक्षित की जायें जैसे अन्य श्रेणियों के लिये आरक्षित है, क्योंकि शहीद ही देश की 125 करोड़ जनता के असली नायक हैं, जिन्होने संसद की नींव को अपने रक्त से सींचा है।**
3. **जो वीर सैनिक मातृभूमि के लिये शहीद हुए हैं उनके परिवारों को राज्य / केन्द्र सरकार की और से तुरंत एक-एक करोड़ रुपये सहायता राशि के रूप में दिये जायें, जो शहीदों की शहादत का सम्मान और शहीदों के आश्रितों का मान होगा।**

महोदय, आपको पुन: स्मरण करवाते हुये अनुरोध किया जाता है कि आप अपनी स्वयं की अनुसंसा के साथ राज्य सरकार की और से हमारी उपरोक्त मांगो की सिफारिश केन्द्र सरकार को भिजवाने की व्यवस्था करें। आपका यह छोटा सा प्रयास बूढ़ी माताओं, लाचार विधवाओं, अनाथ बच्चों एवं अभागिन बहनों, जो एक भुजा के रूप में खो चुकी भाइयों के लिये संबल का काम करेगा। इससे आपको अत्याधिक संतुष्टि मिलना लाजमी है।

अत: अपसे विन्नती है कि इस पुण्य: कार्य में अपनी आहुति प्रदान करते हुये हमें सूचित करवाने की कृपया करें।

धन्यवाद सहित

जय हिंद !

निष्ठापूर्वक,

04/07/14

(Vijay K Sangwan)
President
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)
Regd. Off. # 567, (Park Corner), Sector - 21

Invites President for Recommendations of the Request

From

The president

Voice of martyrs' welfare association (Regd.)

House No.587 (Park Corner), Sector-21, Panchkula, Haryana-134112

To

1.Former his Excellency Presidents of India

2.Former Hon'ble Prime Ministers of India

3.All National and States Political Parties President of India

Memo No. : VOM/GEN/7140-7190/14

Dated : 27.10.2014

Sub: Recommendation of the Request for providing economic and social assistance to the Families/dependents of our martyrs to the Government of India-reg.

Respected Sir/Madam,

Please refer to the copy of letter no. VOM/140-167/14 dated 09.05.2014, VOM/104/14 dated 5.05.2014 addressed to his Excellency, the President of India , with a copy of the letter to the hon'ble Prime Minister of India, Hon'ble Defence Minister of India and to the Chief of Army, his Excellency, the Governor of Andhra Pradesh, Lieutenant Governor of Delhi. The Chief Ministers of the States of our country have also been requested to consider the Justifiable demands of the Martyrs Family and to provide financial assistance to the affected families and their dependents. It was also requested to forward the memorandum to the Central Govt. after recommendation for further action for considering their demands by the central Govt. to address the genuine grievances of these Families.

Sir, it would be a great injustice to those brave hearts who forsake the comforts of sweet home to safe guard the interest of our country and protect its boundaries fighting tooth and nail till the last drop of their blood isn't oozed out. They guard the country in the snow covered peaks of Pir Panjal freezing in a temperature below zero degree Celsius or on the Barmer-Jaisalmer border where it is scorching heat of 50 degree Celsius. We must appreciate the deep down dedication and patriotism of our courageous soldiers who perform their duties despite all odds, inclement weather to check infiltration, to fight extremism, to push back the blatant hacks from the neighboring armies. What excesses and adventurism our soldiers haven't faced from the enemies to keep the unity and integrity of our country so that we live in peace and comfort?

Sir, we may recall that since independence, our defence forces have fought wars of 1962, 1965, 1971 and 1999. Besides, Indian forces were also assigned the duties as peace keeping force in Sri Lanka and Sudan. A number of our brave soldiers sacrificed their lives fighting for the cause of our country and for the sake of humanity. It is indeed appreciable that our Govt. took many steps to safe guard the interests of Martyr's Families and their dependents. But the true picture of the families of Martyrs affected in the 1962, 1965 and 1971 is quite sad and dark. Only a paltry financial help of Rs.1000/- in the form of Bonds was given to such martyrs family after a year. These are the same families who couldn't see even the face of their sons for the last time or could perform their last rites. It can be well understood that at that time country's economic condition may not be good, but now the economic scenario has changed altogether.

2...

It is pertinent to mention that barring few families, most of the families of martyrs who fought in 1962, 1965, 1971 wars are living in deplorable and pathetic conditions as they didn't get Central Govt. and State Govt.'s attention or from such agencies who were meant to watch the interests of affected Families be it owing to for lack of literacy, awareness or communication gap.

Sir, we can imagine the plight of such families, their parents, young widows, mothers who lost their valiant sons at their prime age. The dependent children of such martyrs do not have proper means to sustain and survive. How difficult it would have been for these families to spend life without their beloved ones is beyond imagination. Are their tears not sufficient to shake us from the long slumber?

Sir, we are a big Nation, world's largest democracy and quite proud of our brave and devoted defence forces. We earnestly feel that our centre Govt. and state Govt.'s should look into the valid and deserving cases of our Martyrs Family pertaining to the wars of 1962, 1965, 1971 sympathetically on top priority so that their dependents can lead respectable life. This would indeed be an apt and befitting homage to the Martyrs.

It is also requested that the Govt. considers the following issues of the families of the Martyrs for their welfare

1. ***Payment of Rs.1 Cr. As immediate financial relief to the Martyrs Family.***
2. ***On par, with the amount given to sports persons, a relief of Rs.2 Cr. To Rs.5 Cr. be given to the families on the martyrdom of soldier and employment to one person from the family on the basis of qualification without any test or interview.***
3. ***Reservation in Lok Sabha / Rajya Sabha seats and Vidhan Sabha Seats at par with other classes.***

In the end, we would like to request your kind Honour to forward this case with your valued recommendation to the Govt. of India and his Excellency, the President of India for favourable action. Your pursuance and kind efforts can bring happiness to the lives of several martyrs Family who couldn't get timely support from the respective governments although they deserved the most.

Thanking you

JAI HIND!

Yours faithfully,

21/10/14

(Vijay k. Sangwan)
president
Voice of Martyr's Welfare Association (Regd.)
House No.587 (Park Corner), Sector-21,
Panchkula, Haryana-134112
Mob. No. – 09316131225, 09466983525

GOVERNMENT OF ODISHA
FINANCE DEPARTMENT
***

No 16623 /F, Date: 27. 5. 2014
C.S.-III–Pen-88/2014

From : Sri S. Mohanty,
Deputy Secretary to Govt.

To : Deputy Secretary to Govt.
Home Department

Sub : Representation from public.

Madam,

I am directed to enclose a representation from Sri Vijay Kr. Sangwan regarding Benefits to martyrs; for further action at your end.

Yours faithfully

26.5.14
Deputy Secretary

Memo No. 16624 Dated 27th May, 2014

Copy forwarded to Sri Vijay Kr. Sangwan, # 587, Sec-21, (Park Corner) Panchkula, Haryana-134112 for information.

26.5.14
Deputy Secretary

PRESIDENT'S SECRETARIAT
(PUBLIC-I SECTION)
RASHTRAPATI BHAVAN
NEW DELHI - 110004

Sl.No.: P1/D/0805140196 **Date: 08 May 2014**

Enclosed please find for appropriate attention a petition Dt:-05 May 2014 addressed to the President of India, which is self explanatory.

Action taken on the petition may please be communicated to the petitioner directly under intimation to this Secretariat.

(Chirabrata Sarkar)
Under Secretary

To,
SECRETARY TO THE GOVERNMENT OF INDIA
Ministry of Defence
South Block New Delhi 110001

Copy to:

Shri VIJAY KR. SANGWAL
S.C.F.326,F.F.,MOTOR MARKET
MANIMAJRA,
CHANDIGARH-

You are further requested to liaise with the aforementioned addressee directly for further information in the matter.

(Chirabrata Sarkar)
Under Secretary

Serial Number :-
P1/D/0805140196

BOOK POST
ON INDIA GOVERNMENT SERVICE
TO,
Shri VIJAY KR. SANGWAL
S.C.F.326,F.F.,MOTOR MARKET
MANIMAJRA,
,CHANDIGARH-

FROM :
President's Secretariat
Rashtrapati Bhavan
New Delhi - 110004.

You may use website http://helpline.rb.nic.in for submitting your request/grievance online.

No. SWD (F)13-3/2014.
Government of Himachal Pradesh
Sainik Welfare Department.

From

The Secretary (SWD) to the
Government of Himachal Pradesh

To

The Director,
Sainik Welfare Department,
Hamirpur, HP

Dated Shimla-2 May, 2014.

Subject: Regarding providing help to the families of the martyrs who have sacrificed their lives for the sake of the motherland.

Sir,

I am directed to forward herewith a photocopy of representation submitted by Sh. Vijay Kumar Sangwan, President, Voice of Martyr's Welfare Association (Regd.), Sec. 21, Panchkula, Haryana through the Spl. Secretary to the Chief Minister on the subject cited above and to request you to send your comments in the matter, so that applicant could be informed accordingly.

Yours faithfully,

(Rajpal)
Under Secretary (SW) to the
Government of Himachal Pradesh, Shimla-2.

Endst. No. as above dated Shimla-2 30th May, 2014.
copy forwarded for information to :-

1. The Spl. Secretary to the Chief Minister, o/o the Hon'ble CM, Himachal Pradesh, Shimla-2 w.r.t. his U.O. No. Secy/CM-S1003/2012-DEP-A-137657 dated 22.05.2014.
2. Sh. Vijay Kumar Sangwan, President, Voice of Martyr's Welfare Association (Regd.), Regd. Off.# 587, Sec-21, (Park Corner), Panchkula, Haryana-134112.

(Rajpal)
Under Secretary (SW) to the
Government of Himachal Pradesh, Shimla-2.

राजस्थान –सरकार
सैनिक कल्याण विभाग,राजस्थान , जयपुर
संख्या 7225, द्वितिय तल खाद्य भवन सचिवालय जयपुर

कमांकः– 5690-92 दिनांकः–12 जून,2014

अध्यक्ष
शहीदों की आवास कल्याण संघ(पंजीकृत)
एस0सी0एफ0–326,एफ0एफ0,मोटर मार्केट
मणीमाजरा, चण्डीगढ

विषयः–मातृ भूमि के लिये 62,65,71 के शहीद हुये वीर सैनिक के परिवार आज भी हैं सरकारो की बेरूखी का शिकार।

महोदय

उपरोक्त विषयान्तर्गत आपके पत्र कमाक104/14 दिनांक 05.5.2014 के कम मे लेख है कि राज्य सरकार द्वारा शहीद के आश्रितो के लिये नगद राशि ,भूमि ,नियोजन एवं अन्य सुविधा का प्रावधान किया है तथा 1.4.1999 से पूर्व के शहीद सैनिको की विधवाओ को सम्मान भत्ता प्रदान किया जा रहा है तथा सभी प्रकार की अन्य सुविधाये शहीद सैनिको के आश्रितो को राज्य सरकार के स्तर से प्रदान की जारही है। सरकार का प्रयास है कि शहीदो के आश्रितो को इस विषय मे कोई असुविधा ना हों।

भवदीय

निदेशक
सैनिक कल्याण विभाग
राजस्थान,जयपुर

प्रतिलिपिः–

1. वरिष्ठ शासन उप सचिव, सैनिक कल्याण विभाग, राजस्थान, जयपुर को उनके पत्रांक प. 8(2)सैक/2014 दिनांक 09.6.2014 के बिन्दु संखया 9के कम में सूचनार्थ प्रेषित है।
2. उप सचिव (बीसी)मुख्यमंत्री कार्यालय जयपुर सूचनार्थ प्रेषित है।

निदेशक

Ministry of Defence
(Department of Ex-servicemen Welfare)
D (Res-II)

Subject:- Forwarding of representation.

Please find enclosed herewith representation dated 05.05.2014 received from Voice of Martyrs Welfare Association (Regd) Head Office S.C.F.-326F.F, Motor Market, Manimajra, Chandigarh on the above subject.

2. It is requested to examine the case and forward action taken reply directly to the petitioners under intimation to this Deptt.

Encls : As above

(Prem Parkash)
Under Secretary (Res-II)

Kendriya Sainik Board, RK Puram, New Delhi

MoD ID No. 15/1270/Punjab/2014/D(Res-II)) Dated: 05 /06/2014

Copy to : -

President
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd)
Head Office S.C.F.-326
F.F, Motor Market,
Manimajra,
Chandigarh

शहीदों की आवाज़ कल्याण संघ (पंजीकृत)
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)
Head Off. S.C.F- 326, F.F, Motor Market, Manimajra, Chandigarh. Ph. 0172-4662218
93161-31225, 94669-83525
Email:- vijaysangwan587@gmail.com
www.voiceofmartyrs.in
Welfare Association
अपने लिए जिये तो क्या जिये...
आओ हम सब मिलकर बने आवाज़ शहीदों की

Vijay Kr. Sangwan
President

No.VOM/GEN./238/14
Date 23/06/2014

सेवा में,

माननीय, प्रधानमंत्री भारत सरकार

विषय: मातृभूमि के लिये शहीद वीर सैनिकों के परिवारों को पूर्ण सम्मान प्रदान करने हेतु

मान्यवर,

हमारे देश का वीर सैनिक जिसके कंधो पर देश की पूर्ण सुरक्षा का उत्तरदायित्व है जो पीर पंजाल से उपर की बर्फिली चोटियों, बाड़मेर जैसलमेर के रेगिस्तान, नेपाल चीन से लेकर ब्रह्मा तक की कष्टकारी रष्ट्रीय सीमा तथा समस्त तटीय क्षेत्र की सुरक्षा के लिये भारतीय सैनिक शून्य से निम्न बिन्दु के तापमान पर, 50° की उच्चतम गर्मी तथा सीलन व उमस भरे पूर्वी व तटीय क्षेत्र में आधी रात एवं दोपहर की चिलचिलाती धूप में मुस्तैद दिखता है, जब देश का समस्त संभ्रांत वर्ग चैन की नींद सोता है |

मान्यवर, वर्ष 1962,1965,1971 और 1999 कारगिल युद्ध से लेकर श्रीलंका व अन्य देशों में भेजी गई शान्ति सेना के दौरान या उग्रवादियों तथा अन्य कारणो से मातृभूमि के लिये शहीद वीरों की शहादत के उपरान्त कुछ को छोड़ कर बहुताय परिवार दयनीय स्तिथि का जीवन यापन कर रहे हैं | सरकारी तौर पर कुछ परिवारों को पैट्रोल पम्प या गैस एजेन्सी इत्यादि आजीविका के साधन उपलब्ध करवाये गये हैं, परन्तु बहुताय आज भी साधनहीन बैरोजगार हैं | हमारे संगठन ने इन दुःखी परिवारों की वेदना को निकट से देखा है | हमारे संगठन के पास भी उतना संसाधन नहीं है | हम अपने स्तर पर एक, दो पांच व्यक्ति व परिवारों को यदि चिकित्सा शिक्षा आदि के रूप में मदद भी दें, तो वह ऊंट के मुँह में जीरे वाली कहावत होगी |

महोद्य, उन अमर शहीदों ने परिवार की परवाह न करते हुए मातृभूमि के लिये अपने जीवन का बेहतरीन बलिदान दिया है, जिनकी शहादत पर 125 करोड़ भारतीयों को गर्व और फ़क्र महसूस होता है | शहीदों के स्मारकों के सामने हर इन्सान का सिर उनके सम्मान में खुदब खुद झुक जाता है | उनके परिवार सरकार की बेरुखी का शिकार क्यों ? यदि भारत सरकार व राज्य सरकारें उन शहीद परिवारों को सम्मानजनक जीवन जीने के साधन (अर्थिक सहायता और व्यवसायिक प्रतिष्ठान के रूप में) प्रदान करती है तो यह सवा अरब भारतीयों के गौरव का विषय होगा, जो शहीदों का मान और आश्रितों का सम्मान होगा |

महोद्य, आज जिस प्रकार से बुद्धि का पलायन आर्यवृत से विदेशों में हो रहा है, विघटनकारी शक्तियाँ जगह -2 सिर उठा रही हैं, यदि हम शहीद परिवारों का सम्मान करते हैं और देश के लिये जीवन का बलिदान देने वाले को राष्ट्रीय धरोहर मानकर उनकी हर प्रकर की आवश्यकताओं की पूर्ती करना केन्द्र व राज्य सरकारों का उत्तरदायित्व होगा, तो भविष्य में किसी सैनिक का सिर कलम करना तो दूर की बात है, हमारे ललाट की तरफ भी दुश्मन उंगली उठाने का दुस्साहस नहीं करेगा |

महोद्य, यह हमारा महान भारत देश ही है जो दुनिया में इसी लिये महान है कि हमारे पास एक दिल है | हम उसकी सुनते हैं और महसूस भी करते हैं | आप अपने दिल की गहराई से जानें और सोचें कि जिन वीर सैनिकों ने अपनी 20 से 30 वर्ष की आयु में देश के लिये अपने जीवन का बलिदान दिया हो उनके परिवारों पर दुःखों का कितना बड़ा पहाड़ टूटा होगा | परन्तु यह सोच कर दिल को सुकून और गर्व महसूस होता है कि माँ का लाल, बहन का भाई, पत्नी का सुहाग और मासूम का बाप 125 करोड़ भारतीयों के लिये देश के

काम आया और अपना फ़र्ज़ अदा कर दुनिया से रुक्षत हो गया | लेकिन सरकार द्वारा अभी अपना पूर्ण फर्ज़ अदा करना बाकी है, जो काफी हद तक निम्नलिखित तीन मांगो द्वारा पूरा किया जा सकता है |

1. **खिलाड़ियों की तरह शहीद की शहादत पर कम से कम 2 से 5 करोड़ सहायता राशि और परिवार के एक सदस्य को उसकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर बिना परीक्षा और साक्षात्कार के सरकारी नौकरी प्रदान की जाए |**
2. **लोकसभा, राज्यसभा और विधान सभाओं में सीटें आरक्षित की जायें जैसे अन्य श्रेणियों के लिये आरक्षित हैं, क्योंकि शहीद ही तो देश की 125 करोड़ जनता के असली नायक हैं ,जिन्होनें संसद की नींव को अपने रक्त से सींचा है, फिर उनके परिवार इससे वंचित क्यों ?**
3. **जो वीर सैनिक मातृभूमि के लिये शहीद हुए हैं उनके परिवारों को राज्य / केन्द्र सरकार की और से एक-एक करोड़ रुपये सहायता राशि के रूप मे तुरंत प्रदान किये जायें, जो शहीदों की शहादत का मान और आश्रितों का सम्मान होगा |**

महोद्य, हमने दिनांक 05-05-2014 को महामहिम राष्ट्रपति महोद्य भारत सरकार को अपनी मांगो का पत्र भेजा था जिसकी प्रति माननीय, प्रधानमंत्री भारत सरकार, माननीय रक्षामंत्री भारत सरकार, माननीय सेना प्रमुख भारत सरकार के साथ साथ माननीय मुख्यमंत्री सभी राज्य सरकारों को इस आश्य: के साथ भेजी गयी थी कि शहीद परिवारों को उनका सही हक प्रदान करने के लिये वे अपनी सिफारिशों के साथ भारत सरकार को भेजें, जिसके वो सही हकदार हैं, क्योंकि बाल्टी भर जल निकालने से समंदर खाली नहीं होते |

महोद्य, हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि हमारे शहीदों के हकों की अन्देखी नहीं होगी | आपका यह छोटा सा प्रयास बूढ़ी माताओं, लाचार विरांगनाओं, अनाथ बच्चों तथा एक भुजा के रूप में खो चुकी अभागिन बहनों के लिये संबल का काम करेगा, जिससे पूरी दुनिया में एक संदेश जाएगा कि हम अपने महान शहीदों और उनके आश्रितों को अपने हृद्य की गहराइयों और आसमान की उचाईयों में बसा कर रखते हैं |

महोद्य, जब हमारे अच्छे दिन आ ही गए हैं, तो क्यों न इसकी शुरूआत इसी मंगल कार्य से की जाये | यही पहचान है हमारे कोमल हृद्य की |

SERVICE TO MARTYRS' FAMILY IS

REALLY SERVICE TO GOD...

जय हिन्द !

निष्ठापूर्वक,

23/06/14

(विजय कुमार संगवान)

प्रधान

शहीदों की आवाज़ कल्याण संघ

मकान न. 587, (पार्क कॉर्नर) सेक्टर-21,

पंचकुला-134112 (हरियाणा)

VOICE OF MARTYRS WELFARE ASSOCIATION

(48)

प्रेषक

उपायुक्त, फरीदाबाद।

सेवा में

आयुक्त महोदय,
गुडगांव मण्डल, गुडगांव।

क्रमांक /एम0बी0–3, दिनांक

विषयः– दिनांक 01.06.2014 को चरखी दादरी में आयोजित शहीद सम्मेलन के दौरान सैकडो युद्ध विधवाओ उनके आश्रितो के अलावा हजारो की संख्या में उपस्थित जन समूह के समक्ष लिए गए निर्णय अनुसार देश के लिए कुर्बान होने वाले बहादुर सैनिक परिवारो को सम्मान स्वरुप उन्हें आर्थिक रुप से सशक्त बनाने हेतू अनुरोध।

यादी

उपरोक्त विषय पर श्री विजय कुमार सांगवान, प्रधान, शहीदों की आवाज कल्याण संघ, 587, सैक्टर–21 (पार्क कॉर्नर), पंचकूला से प्राप्त ज्ञापन पत्र दिनांक 07.06.2014 मूलरुप में संलग्न करके आपकी सेवा में आगामी आवश्यक कार्यवाही हेतू प्रेषित है।

संलग्नः– मूल ज्ञापन पत्र।

हस्ता/-
कृतेः उपायुक्त, फरीदाबाद।

पृ0 क्रमांक 3136 /एम0बी0–3, दिनांक 18-06-2014

इसकी एक प्रति श्री विजय कुमार सांगवान, प्रधान, शहीदों की आवाज कल्याण संघ, 587, सैक्टर–21 (पार्क कॉर्नर), पंचकूला को उनके पत्र क्रमांक VOM/202/14 दिनांक 02.06.2014 के संदर्भ में सूचनार्थ प्रेषित है।

कृतेः उपायुक्त, फरीदाबाद।
17/6

No : 3-51(B)/2011-SWD
Directorate of Sainik Welfare
Himachal Pradesh at Hamirpur

Hamirpur 177001, Dated ___ June 2014

From :

The Director
Sainik Welfare, HP

To :

Dy/Joint Director
Zila Sainik Welfare Office
_____HP

Subject : Regarding providing help to the families of the martyrs who have sacrificed their lives for the sake of the motherland.

Sir,

Photocopy of representation submitted by Sh. Vijay Kumar Sangwan, President, Voice of Martyr's wlfare Association , Sec.21 Panchkula,Haryana received through The Secretary (SWD) to the Govt of Himachal Pradesh Shimla-2 vide their letter No. SWD (F)13-3/2014 dated 30 May 2014 is enclosed herewith. You are requested to send your comments in the matter, to this Directorate at the earliest so that the Secretary (SWD) to the Govt of Himachal Pradesh Shimla could be informed accordingly.

Yours faithfully

(Naresh Kumar,HAS)
Officer On Special Duty
Dte of Sainik Welfare,HP
Tele No. 01972-221854
Fax No. 01972-225643
E.mail dir-sw-hp-*a* nic.in

Encls: As above
Endst No. As above, 1584 Hamirpur-177001 Dated 20 June 2014
Copy to:-

1. The Secretary (SWD) to the Govt of Himachal Pradesh Shimla-2 - for information w.r.t their letter referred above please.

2. Sh. Vijay Kumar Sangwan, President, Voice of Martyr's wlfare Association , (Regd) Regd Off.#587,Sec-21 (Park Corner) Panchkula,Haryana-134112- for information please.

Yours faithfully

(Naresh Kumar,HAS)
Officer On Special Duty
Dte of Sainik Welfare,HP
Tele No. 01972-221854
Fax No. 01972-225643

(50)

No. VOM/F005/989/14
Dated 11-07-2014

सेवा में,

श्री अरुण जेट्ली जी,
माननीय, वित्त मंत्री, भारत सरकार,
9, अशोका रोड़, नयी दिल्ली |

विषय :- शहीदों के स्मारक बनाने के सम्बंध में - धन्यवाद प्रस्ताव |

महोदय,

हमने दिनांक 10-07-2014 को आपका बजट भाषण सुना जिसमें आप द्वारा अन्य सुविधाओं के साथ-साथ शहीदों के सम्मान में स्मारक बनाए जाने के लिये 100 करोड़ का प्रावधान किया गया है | शहीद 125 करोड़ भारतीयों की पहचान है, हमें अपनी पहचान को कायम रखने के लिये ऐसा किया जाना लाजमी था |

आप द्वारा उठाये गये छोटे से कदम से शहीदों के आश्रित परिवारों को सूकून मिला है, जिनके हृदय की गहराइयों से निकली सूकून की फूहार आप को सु:ख से तर बतर कर देगी |

हम आपको शहीदों की आवाज़ कल्याण संघ व अपनी और से धन्यवाद करते हुये निजी तौर पर आपसे मुलाकात करना चाहते हैं | हमें आशा है की आप अपने कीमती समय में से कुछ वक़्त शहीद आश्रितों के कल्याण के लिये हमें देंगे |

धन्यवाद सहित |

जय हिंद !

निष्ठापूर्वक,

VOICE OF MARTYRS WELFARE ASSOCIATION (Regd.)
Regd. Office:
587, (Park Corner)
Sector - 21, Panchkula
(Haryana) - 134112
M. 09316131225

11/07/14

(विजय कुमार सांगवान)
प्रधान
शहीदों की आवाज़ कल्याण संघ
मकान न. 587, (पार्क कॉर्नर) सेक्टर-21,
पंचकुला-134112 (हरियाणा)

प्रेषक

मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार ।

सेवा में

सचिव,
राज्य सैनिक बोर्ड, पंचकूला,
सैनिक भवन, सैक्टर–12, पंचकूला ।

यादि क्रमांक 16/13/2013–4पीपी
दिनांक चण्डीगढ

विषयः– **मांग पत्र–ज्ञापन भेजने बारे ।**

उपरोक्त विषय के संदर्भ में।

2. मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, राजनैतिक एवं संसदीय कार्य विभाग से प्राप्त पत्र क्रमांक 41/6/2014–5 पोल, दिनांक 16 जुलाई, 2014 अनुलग्नको सहित मूलरूप में आपको आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजा जाता है।

अधीक्षक प्रोटोकोल
कृते :मुख्य सचिव हरियाणा सरकार।

पृष्ठ क्रमांक 16/13/2013–4पीपी दिनांक चण्डीगढ़ 23/7/014

एक प्रति श्री विजय कुमार सागवान, प्रधान, शहीदो की आवाज, कल्याण संघ, मकान न0 587, सैक्टर–21, (पार्क कार्नर), पंचकूला को सूचनार्थ भेजी जाती है।

अधीक्षक प्रोटोकोल
कृते :मुख्य सचिव हरियाणा सरकार।
22/7/014

पृष्ठ क्रमांक 16/13/2013–4पीपी दिनांक चण्डीगढ़

एक प्रति मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार (राजनैतिक एवं संसदीय कार्य विभाग) को उनके पत्र क्रमांक 41/6/2014, दिनांक 16 जुलाई, 2014 के सन्दर्भ में सूचनार्थ प्रेषित की जाती है।

अधीक्षक प्रोटोकोल
कृते :मुख्य सचिव हरियाणा सरकार।

सेवा में

मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार

(57)

PG Case
Immediate

Ministry of Defence
(Department of Ex-servicemen Welfare)
D (Res-II)

Subject:- Representation of Shri Vijay KR. Sangwan, President, Voice of Martyrs Welfare Association regarding redressal of grievances.

Please find enclosed herewith a representation of Shri Vijay KR. Sangwan, President, Voice of Martyrs Welfare Association, Office - #587, Sec-21, (Park Corner), Panchkula, Haryana - 134112 received through the office of Hon'ble Raksha Mantri on the above subject.

2. It is requested to examine the matter and action taken in the matter may please be intimated directly to the petitioner under intimation to this Deptt.

Encls : As above

(K.C. Meena)

Section Officer (Res-II)

Secretary, K.S.B., R.K. Puram, New Delhi

MoD ID No. 15/Har/1994/D(Res-II) Dated: 31/07/2014

Copy to :-

1. US
   Office of Chief Minister's Secretariat
   Govt. of Gujarat
   Swarnim Sankul – I, Sachivalaya,
   Gandhinagar – 382010
   - With Reference to I.D. Note No. CMO/Reg/2014/25476 Dated: 09.06.14

2. Shri Vijay KR. Sangwan,
   President, Voice of Martyrs Welfare Association,
   Office - #587, Sec-21, (Park Corner),
   Panchkula, Haryana - 134112

(54)

Tele: 26188098, Fax: 26192362
E-mail Id – jdpolicyksb@gmail.com

Kendriya Sainik Board
Ministry of Defence
Government of India
West Block-IV, Wing-VII
RK Puram
New Delhi -110066

No. 2(2)/HARYANA/KSB/A

11 Aug 14

Vijay Kr. Sangwan
President
Voice of Martyr's Welfare Association (Regd)
Regd. Off. # 587, Sec 21, (Park Corner)
Panchkula, Haryana – 134 112

REGARDING PROVIDING HELP TO THE FAMILIES OF THE MARTYRS WHO HAVE SACRIFICED THEIR LIVES FOR THE SAKE OF THE MOTHERLAND

1. Refer to your letter No nil dt 09 May 14 addressed to the Hon'ble Chief Minister, State of Gujrat.

2. It is advised that if there is any specific cases be forwarded through concerned RSBs/ZSBs thereof.

(HC Patro)
Captain (IN)
Jt Dir (Policy), KSB

L
110001 19.08.2014
22D7 00293931

भारत INDIA
POSTAGE
Rs 5.00
P671767

40.
Shri Vijay Kumar Sangwan
House No.587 (Park Corner)
Sector – 21, Panchkula
Haryana

प्रधान मंत्री
Prime Minister

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री निवास
नई दिल्ली

आपकी बधाई और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

L
110001 19.08.2014
22D7 00293931

भारत INDIA
POSTAGE
Rs 5.00
P671767

40.
Shri Vijay Kumar Sangwan
House No.587 (Park Corner)
Sector – 21, Panchkula
Haryana

प्रधान मंत्री
Prime Minister

सत्यमेव जयते

Prime Minister's House
New Delhi

Thank you for your felicitations
and kind words

With best wishes

सेवा में,

महामहिम, राज्यपाल महोदय्,
हरियाणा सरकार चण्डीगढ़ |

विषय: मातृभूमि के लिये शहीद वीर सैनिक आश्रितों के कल्याण के लिये ज्ञापन देने के सम्बंध में महामहिम महोदय् से मिलने का समय प्रदान करने हेतु |

महोदय्,

नम्र निवेदन यह है कि हम मातृभूमि के लिये शहीद वीर सैनिक आश्रित परिवारों के कल्याण के लिये एक गैर सरकारी संस्था के रूप में कार्य कर रहे हैं | पिछले काफी समय से सरकार से शहीद परिवारों के मान-सम्मान के लिये कुछ मुददे सरकार के समक्ष रखे हैं, जिसके समबन्ध में हम आपसे निजी तौर पर मुलाकात करना चाहते हैं |

महोदय्, शहीद हमारे देश की अनमोल अमानत है, वह 125 करोड़ भारतीयों का स्वाभिमान है | हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप हमें शीघ्र मुलाकात का वक़्त देने की कृपया करेंगे, ताकि शहीद परिवारों के हालातों के बारे में आपको अवगत करवा सकें |

"Help to Martyrs' Family is a real service to the GOD....."

जय हिन्द !

No. VOM/4339/14.
Dated: 27/08/2014

निवेदनपूर्वक,
27/08/14

(Vijay K. Sangwan)
President
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)
Regd. Off.: # 587, (Park Corner) Sector - 21,
Panchkula - 134112 (Haryana)
Mob. 09316131225, 9466983525

O/C

सेवा में,

महामहिम, राज्यपाल महोदय,

पंजाब सरकार चण्डीगढ़ |

विषय: मातृभूमि के लिये शहीद वीर सैनिक आश्रितों के कल्याण के लिये ज्ञापन देने के सम्बंध में महामहिम महोदय् से मिलने का समय प्रदान करने हेतु |

महोदय,

नम्र निवेदन यह है कि हम मातृभूमि के लिये शहीद वीर सैनिक आश्रित परिवारों के कल्याण के लिये एक गैर सरकारी संस्था के रूप में कार्य कर रहे हैं | पिछले काफी समय से सरकार से शहीद परिवारों के मान-सम्मान के लिये कुछ मुददे सरकार के समक्ष रखे हैं, जिसके समबन्ध में हम आपसे निजी तौर पर मुलाकात करना चाहते हैं |

महोदय, शहीद हमारे देश की अनमोल अमानत है, वह 125 करोड़ भारतीयों का स्वाभिमान है | हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप हमें शीघ्र मुलाकात का वक़्त देने की कृपया करेंगे, ताकि शहीद परिवारों के हालातों के बारे में आपको अवगत करवा सकें |

"Help to Martyrs' Family is a real service to the GOD....."

जय हिन्द !

No. VOM/4340/14.
Dated: 27/08/2014.

निष्ठापूर्वक,

27/08/14

(Vijay K. Sangwan)
President
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)
Regd. Off.: # 587, (Park Corner) Sector - 21,
Panchkula - 134112 (Haryana)
Mob. 09316131225, 9466983525

o/c

शहीदों की आवाज़ कल्याण संघ (पंजीकृत)

Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)

अपने लिए जिये तो क्या जिये.....
आओ हम सब मिलकर बने आवाज शहीदों की

Regd. Office : # 587, (Park Corner) Sec. 21, Panchkula 134112
Mobile: 09316131225, 09466983525
E-mail : vijaysangwan587@gmail.com | Web : www.voiceofmartyrs.in

Vijay Kr. Sangwan
President

(58)

No. VOM/GEN/14/4379
Date : 27-08-2014

सेवा में, Cap. H.C. Patoji, Jt. Dir. Policy,

केन्द्रीय सैनिक बोर्ड,

रक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार

वेस्ट ब्लॉक -IV, विंग VII, आर.के.पुरम, नई दिल्ली-110066

विषय: मातृभूमि के लिये शहीद वीर सैनिकों के परिवार आज भी हैं सरकारों की बेरुखी का शिकार |

(आश्रित परिवारों को पूर्ण मान-सम्मान प्रदान करने हेतु |)

महोदय,

उपरोक्त विषय पर आपके यादि क्रमांक 2(2) हरियाणा / KSB / A दिनांक 11 अगस्त 2014 के संदर्भ में हमें सूचित करते हुए आप द्वारा कोई भी विशिष्ट मामला जिला सैनिक बोर्ड या राज्य सैनिक बोर्ड के माध्यम से भेजने को लिखा गया है |

महोदय, यह कोई विशिष्ट मामले का प्रशन नहीं है | यह देश के उन हज़ारों शहीद आश्रित परिवारों के साथ-साथ उन लाखों वीर सैनिकों का मामला है जो पीर पंजाल से उपर की बर्फिली चोटियों, बाढ़मेर-जैसलमेर के रेगिस्थान, नेपाल-चीन से लेकर ब्रह्मा तक की कष्टकारी राष्ट्रीय सीमा तथा समस्त तटीय क्षेत्र की सुरक्षा के लिये भारतीय सैनिक शून्य से निम्नबिन्दु के तापमान पर, 50° की उच्चतम गर्मी तथा सीलन व उमस भरे पूर्वी व तटीय क्षेत्र में आधिरात एवं दोपहर की चिलचिलाती धूप में भी मुस्तैद दिखता है, जब देश का समस्त संभ्रान्त वर्ग (अधिकारी एवं राजनेता) चैन की नींद सोता है, जिसका हिस्सा आप स्वयं भी हैं | हमें नाज़ है हमारे देश की बहादुर सेना पर जिसके सायें में हम अपने आप को सुरक्षित महसूस करते हैं |

महोदय, हम आपके पास महामहिम, राष्ट्रपति महोदय, भारत सरकार एवं राज्य सरकारों को भेजे गये पत्रों की प्रति सलग्न करते हुए अनुरोध करते हैं कि आप अपनी अनुशंसा के साथ हमारी सिफारिश भारत सरकार को भिजवाने की व्यवस्था करें | आपका यह छोटा सा प्रयास बूढ़ी माताओं, लाचार विधवाओं, अनाथ बच्चों एवं अभागिन बहनों, जो एक भुजा के रूप में खो चुकी भाइयों के लिये संबल का काम करेगा | इससे आपको अत्याधिक संतुष्टि मिलना लाजमी है |

अत: आपसे विन्नति है कि इस पुण्य: कार्य में अपनी आहुति प्रदान करते हुये हमें सूचित करने की कृपया करें |

धन्यवाद सहित
जय हिंद !

निष्ठापूर्वक,
27/08/14
(Vijay K. Sangwan)
President
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)
Regd. Off.: # 587, (Park Corner) Sector - 21,
Panchkula - 134112 (Haryana)
Mob. 09316131225, 09466983525

शहीदों की आवाज़ कल्याण संघ (पंजीकृत)
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)

अपने लिए जिये तो क्या जिये.....
आओ हम सब मिलकर बनें आवाज शहीदों की

Regd. Office : # 587, (Park Corner) Sec. 21, Panchkula 134112
Mobile: 09316131225, 09466983525
E-mail : vijaysangwan587@gmail.com | Web : www.voiceofmartyrs.in

Vijay Kr. Sangwan
President

No. VOM/GEN/4788-4819/14
Date : 04/09/2014

स्मरण-पत्र

सेवा में,

माननीय, मुख्यमन्त्री,
सभी राज्य सरकार, भारत |

विषय :- मातृभूमि के लिये शहीद वीर सैनिक आश्रित परिवारों को सम्मान के साथ-साथ आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने हेतु केन्द्र सरकार को सिफारिश भेजने के सम्बध में |

महोद्य,

नम्र निवेदन यह है कि हमने अपने यादी क्रमांक वी.ओ.एम./138-167/14 दिनांक 09/05/14 के साथ पत्र क्रमांक वी.ओ.एम./104/14 दिनांक 05/05/14 जो कि महामहिम राष्ट्रपती महोद्य, भारत सरकार को सम्बोधित है, कि प्रति पृष्ठांकन क्रमांक वी.ओ.एम./109-137/14 दिनांक 09/05/14 जिसकी प्रति माननीय, प्रधानमन्त्री भारत सरकार, माननीय, रक्षामन्त्री भारत सरकार, माननीय, सेना प्रमुख भारत सरकार, व महामहिम राज्यपाल, अन्द्रप्रदेश एवं महामहिम उप राज्यपाल, दिल्ली के साथ-साथ सभी राज्यों के माननीय, मुख्यमन्त्री को प्रेषित करते हुए राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया था, की हमारी मांगों की सिफारिश केन्द्र सरकार को भेजी जाये | और राज्य सरकारों की और से शहीद परिवारों को विशेष वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाये जो शहीदों का सम्मान और उनके आश्रितों का मान होगा |

महोद्य, हम सब जानते है कि हमारे वीर जवान पीर पंजाल से उपर की बर्फिली चोटियों, बाढ़मेर-जैसलमेर के रेगिस्थान, नेपाल-चीन से लेकर ब्रहमा तक की कष्टकारी राष्ट्रीय सीमा तथा समस्त तटीय क्षेत्र की सुरक्षा के लिये भारतीय सैनिक शून्य से निम्नबिन्दु के तापमान पर, 50° की उच्चतम गर्मी तथा सीलन व उमस भरे पूर्वी व तटीय क्षेत्र में आधिरात एवं दोपहर की चिलचिलाती धूप में भी मुस्तैद दिखता है, जब देश का समस्त संभ्रान्त वर्ग (अधिकारी एवं राजनेता) चैन की नींद सोता है |

महोद्य, वर्ष 1962, 1965, 1971 व 1999 कारगिल युद्ध से लेकर श्रीलंका, सुडान इत्यादि अन्य देशों में भेजी गयी शान्ति सेना के दौरान अब तक जितने भी वीरों ने मातृभूमि एवं मानवता के लिये अपने जीवन का बेहतरीन बलिदान दिया है | उन में से कुछ परिवारों को छोड़ कर बहुताय में विपणता का जीवन यापन कर रहे हैं | सरकारी तौर पर कुछेक परिवारों को पैट्रोल पम्प या गैस एजेन्सी दी गई हैं | परन्तु ज्यादातर परिवार आज भी साधन हीन बेरोजगार है , जो पहाड़ों में पत्थर तोड़ने व मजदूरी करने को मजबूर हैं | क्या उन शहीद परिवारों के साथ ऐसा होना शहीदों की शहादत का अपमान नहीं है | फिर शहीद आश्रित सरकारों की बेरुखी का शिकार क्यों ?

महोद्य, उन अमर शहीदों के परिवार जिन्होने अपना सहारा जवानी की दहलीज पर ही देश के लिये कुर्बान कर दिया हो, उनको केन्द्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा सम्मान जनक जीवन जीने के साधन आर्थिक सहायता/व्यावसायिक प्रतिष्ठान के रूप में प्रदान करती है तो, यह सवा अरब भारतियों के

..2

गौरव का विषय होगा | यदी हम शहीद आश्रित परिवारों को पूर्ण मान सम्मान दें जिसके वो हकदार हैं | तथा युवाओं को सरकारी नीतियों के माध्यम से यह गारंटी दे की राष्ट्र के लिये काम आने वाले के परिवार को राष्ट्रीय धरोहर मान कर उनकी हर प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ती करना केन्द्र व राज्य सरकारों का उत्तरदायित्व होगा, तो भविष्य में किसी सैनिक का सिर कलम करना तो दूर की बात है, हमारे ललाट की तराफ भी दुश्मन उंगली उठाने का दुस्साहस नहीं करेगा |

महोद्य, हमारा महान भारत देश ही है जो दुनिया में इसी लिये महान है कि हमारे पास एक कोमल ह्रदय है, उसकी सुनते हैं और महसूस भी करते हैं | आप कृपया अपने दिल की गहराइयों से जाने और सोचें की जिन शुरवीरों ने अपनी 20 से 30 वर्ष की आयु में देश के लिये अपने जीवन का बलिदान दिया हो, उनके परिवारों पर दु:खों का कितना बड़ा पहाड़ टूटा होगा | परंतु यह सोच कर दिल को सुकून और गर्व महसूस जरूर होता है कि बहादुर माँ का लाल, बहन का भाई, एक पत्नी का सुहाग और मासूम का बाप 125 करोड़ भारतीयों के लिये काम आया और अपना फ़र्ज़ अदा कर दुनिया से रुक्षत हो गया | लेकिन सरकार द्वारा अभी अपना पूर्ण फ़र्ज़ अदा करना बाकी है, जो काफी हद तक निम्नलिखित मांगे मान कर पूरा किया जा सकता है, जिसके लिये कोई भी देश का कानून या समाज का विरोध आड़े नहीं आने वाला |

1. **खिलाडियों की तरह शहीद की शहादत पर कम से कम 2 से 5 करोड़ सहायता राशि और परिवार के एक सदस्य को उसकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर बिना किसी परीक्षा और साक्षात्कार के नौकरी प्रदान की जाये |**
2. **लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभाओं में सीटें आरक्षित की जायें जैसे अन्य श्रेणियों के लिये आरक्षित है, क्योंकि शहीद ही देश की 125 करोड़ जनता के असली नायक हैं, जिन्होने संसद की नींव को अपने रक्त से सींचा है |**
3. **जो वीर सैनिक मातृभूमि के लिये शहीद हुए हैं उनके परिवारों को राज्य / केन्द्र सरकार की और से तुरंत एक-एक करोड़ रुपये सहायता राशि के रूप में दिये जायें, जो शहीदों की शहादत का सम्मान और शहीदों के आश्रितों का मान होगा |**

महोदय, आपको पुन: स्मरण करवाते हुये अनुरोध किया जाता है कि आप अपनी स्वयं की अनुसंसा के साथ राज्य सरकार की और से हमारी उपरोक्त मांगो की सिफारिश केन्द्र सरकार को भिजवाने की व्यवस्था करें | आपका यह छोटा सा प्रयास बूढ़ी माताओं, लाचार विधवाओं, अनाथ बच्चों एवं अभागिन बहनों, जो एक भुजा के रूप में खो चुकी भाइयों के लिये संबल का काम करेगा | इससे आपको अत्याधिक संतुष्टि मिलना लाजमी है |

अत: अपसे विन्नती है कि इस पुण्य: कार्य में अपनी आहुति प्रदान करते हुये हमें सूचित करवाने की कृपया करें |

धन्यवाद सहित

जय हिंद !

निष्ठापूर्वक,

04/09/14

(Vijay K. Sangwan)
President
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)
Regd. Off.: # 587, (Park Corner), Sector - 21

शहीदों की आवाज़ कल्याण संघ (पंजीकृत)
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)

अपने लिए जिये तो क्या जिये.....
आओ हम सब मिलकर बने आवाज शहीदों की

Regd. Office : # 587, (Park Corner) Sec. 21, Panchkula 134112
Mobile: 09316131225, 09466983525
E-mail : vijaysangwan587@gmail.com | Web : www.voiceofmartyrs.in

Vijay Kr. Sangwan
President

No. VOM/GEN/4817
Date : 04/09/2014

स्मरण-पत्र

सेवा में,

माननीय, मुख्यमन्त्री,
हरियाणा सरकार, सिविल सचिवालय, चण्डीगढ़ |

विषय :- मातृभूमि के लिये शहीद वीर सैनिक आश्रित परिवारों को सम्मान के साथ-साथ आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने हेतु केन्द्र सरकार को सिफारिश भेजने के सम्बध में |

महोद्य,

नम्र निवेदन यह है कि हमने अपने यादी क्रमांक वी.ओ.एम./167/14 दिनांक 12/05/14 के साथ पत्र क्रमांक वी.ओ.एम./104/14 दिनांक 05/05/14 जो कि महामहिम राष्ट्रपती महोद्य, भारत सरकार को सम्बोधित है, कि प्रति पृष्ठांकन क्रमांक वी.ओ.एम./108/14 दिनांक 09/05/14 जिसकी प्रति माननीय, प्रधानमन्त्री भारत सरकार, माननीय, रक्षामन्त्री भारत सरकार, माननीय, सेना प्रमुख भारत सरकार, व महामहिम राज्यपाल, अन्द्रप्रदेश एवं महामहिम उप राज्यपाल, दिल्ली के साथ-साथ सभी राज्यों के माननीय, मुख्यमन्त्री को प्रेषित करते हुए राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया था, की हमारी मांगों की सिफारिश केन्द्र सरकार को भेजी जाये | और राज्य सरकारों की और से शहीद परिवारों को विशेष वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाये जो शहीदों का सम्मान और उनके आश्रितों का मान होगा |

महोद्य, हम सब जानते है कि हमारे वीर जवान पीर पंजाल से उपर की बर्फिली चोटियों, बाढ़मेर-जैसलमेर के रेगिस्थान, नेपाल-चीन से लेकर ब्रह्मा तक की कष्टकारी राष्ट्रीय सीमा तथा समस्त तटीय क्षेत्र की सुरक्षा के लिये भारतीय सैनिक शून्य से निम्नबिन्दु के तापमान पर, 50° की उच्चतम गर्मी तथा सीलन व उमस भरे पूर्वी व तटीय क्षेत्र में आधिरात एवं दोपहर की चिलचिलाती धूप में भी मुस्तैद दिखता है, जब देश का समस्त संभ्रान्त वर्ग (अधिकारी एवं राजनेता) चैन की नींद सोता है |

महोद्य, वर्ष 1962, 1965, 1971 व 1999 कारगिल युद्ध से लेकर श्रीलंका, सुडान इत्यादि अन्य देशों में भेजी गयी शान्ति सेना के दौरान अब तक जितने भी वीरों ने मातृभूमि एवं मानवता के लिये अपने जीवन का बेहतरीन बलिदान दिया है | उन में से कुछ परिवारों को छोड़ कर बहुताय में विपणता का जीवन यापन कर रहे हैं | सरकारी तौर पर कुछेक परिवारों को पैट्रोल पम्प या गैस एजेन्सी दी गई हैं | परन्तु ज्यादातर परिवार आज भी साधन हीन बेरोजगार है , जो पहाडों में पत्थर तोडने व मजदूरी करने को मजबूर हैं | क्या उन शहीद परिवारों के साथ ऐसा होना शहीदों की शहादत का अपमान नहीं है | फिर शहीद आश्रित सरकारों की बेरुखी का शिकार क्यों ?

महोद्य, उन अमर शहीदों के परिवार जिन्होने अपना सहारा जवानी की दहलीज पर ही देश के लिये कुर्बान कर दिया हो, उनको केन्द्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा सम्मान जनक जीवन जीने के साधन आर्थिक सहायता/व्यावसायिक प्रतिष्ठान के रूप में प्रदान करती है तो, यह सवा अरब भारतियों के

..2

गौरव का विषय होगा | यदि हम शहीद आश्रित परिवारों को पूर्ण मान सम्मान दें जिसके वो हकदार हैं | तथा युवाओं को सरकारी नीतियों के माध्यम से यह गारंटी दे की राष्ट्र के लिये काम आने वाले के परिवार को राष्ट्रीय धरोहर मान कर उनकी हर प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ती करना केन्द्र व राज्य सरकारों का उत्तरदायित्व होगा, तो भविष्य में किसी सैनिक का सिर कलम करना तो दूर की बात है, हमारे ललाट की तराफ भी दुश्मन उंगली उठाने का दुस्साहस नहीं करेगा |

महोद्य, हमारा महान भारत देश ही है जो दुनिया में इसी लिये महान है कि हमारे पास एक कोमल हृदय है, उसकी सुनते हैं और महसूस भी करते हैं | आप कृपया अपने दिल की गहराइयों से जाने और सोचें की जिन शुरवीरों ने अपनी 20 से 30 वर्ष की आयु में देश के लिये अपने जीवन का बलिदान दिया हो, उनके परिवारों पर दु:खों का कितना बड़ा पहाड़ टूटा होगा | परंतु यह सोच कर दिल को सुकून और गर्व महसूस जरूर होता है कि बहादुर माँ का लाल, बहन का भाई, एक पत्नी का सुहाग और मासूम का बाप 125 करोड़ भारतीयों के लिये काम आया और अपना फ़र्ज़ अदा कर दुनिया से रुक्षत हो गया | लेकिन सरकार द्वारा अभी अपना पूर्ण फ़र्ज़ अदा करना बाकी है, जो काफी हद तक निम्नलिखित मांगे मान कर पूरा किया जा सकता है, जिसके लिये कोई भी देश का कानून या समाज का विरोध आड़े नहीं आने वाला |

1. **खिलाडियों की तरह शहीद की शहादत पर कम से कम 2 से 5 करोड़ सहायता राशि और परिवार के एक सदस्य को उसकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर बिना किसी परीक्षा और साक्षात्कार के नौकरी प्रदान की जाये |**
2. **लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभाओं में सीटें आरक्षित की जायें जैसे अन्य श्रेणियों के लिये आरक्षित है, क्योंकि शहीद ही देश की 125 करोड़ जनता के असली नायक हैं, जिन्होने संसद की नींव को अपने रक्त से सींचा है |**
3. **जो वीर सैनिक मातृभूमि के लिये शहीद हुए हैं उनके परिवारों को राज्य / केन्द्र सरकार की और से तुरंत एक-एक करोड़ रुपये सहायता राशि के रूप में दिये जायें, जो शहीदों की शहादत का सम्मान और शहीदों के आश्रितों का मान होगा |**

महोदय, आपको पुन: स्मरण करवाते हुये अनुरोध किया जाता है कि आप अपनी स्वयं की अनुसंसा के साथ राज्य सरकार की और से हमारी उपरोक्त मांगो की सिफारिश केन्द्र सरकार को भिजवाने की व्यवस्था करें | आपका यह छोटा सा प्रयास बूढ़ी माताओं, लाचार विधवाओं, अनाथ बच्चों एवं अभागिन बहनों, जो एक भुजा के रूप में खो चुकी भाइयों के लिये संबल का काम करेगा | इससे आपको अत्याधिक संतुष्टि मिलना लाजमी है |

अत: अपसे विन्नती है कि इस पुण्य: कार्य में अपनी आहुति प्रदान करते हुये हमें सूचित करवाने की कृपया करें |

धन्यवाद सहित

जय हिंद !

निष्ठापूर्वक,

04/09/14

(Vijay K. Sangwan)
President
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)
Regd. Off.: # 587, (Park Corner), Sector - 21

शहीदों की आवाज़ कल्याण संघ (पंजीकृत)
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)

अपने लिए जिये तो क्या जिये.....
आओ हम सब मिलकर बने आवाज शहीदों की

Regd. Office : # 587, (Park Corner) Sec. 21, Panchkula 134112
Mobile: 09316131225, 09466983525
E-mail : vijaysangwan587@gmail.com | Web : www.voiceofmartyrs.in

Vijay Kr. Sangwan
President

No. VOM/GEN/5628/14
Date : 19/09/2014

सेवा में,

माननीय, श्री अन्ना हजारे जी,
महान समाज सेवी, रालेगण सीधी, महाराष्ट्रा |

विषय :- मातृभूमि के लिये शहीद वीर सैनिक आश्रित परिवारों को सम्मान के साथ आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने हेतु केन्द्र सरकार को सिफारिश भेजने के साथ-साथ अपना आशीर्वाद प्रदान करने हेतु |

महोद्य,

नम्र निवेदन यह है कि हमने अपने यादी क्रमांक वी.ओ.एम./140-66/14 दिनांक 09/05/14 के साथ पत्र क्रमांक वी.ओ.एम./104/14 दिनांक 05/05/14 जो कि महामहिम राष्ट्रपती महोद्य, भारत सरकार को सम्बोधित है, कि प्रति पृष्ठांकन क्रमांक वी.ओ.एम./111-137/14 दिनांक 09/05/14 जिसकी प्रति माननीय, प्रधानमन्त्री भारत सरकार, माननीय, रक्षामन्त्री भारत सरकार, माननीय, सेना प्रमुख भारत सरकार, व महामहिम राज्यपाल, अन्द्रप्रदेश एवं महामहिम उप राज्यपाल, दिल्ली के साथ-साथ सभी राज्यों के माननीय, मुख्यमन्त्री को प्रेषित करते हुए राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया था, की हमारी मांगों की सिफारिश केन्द्र सरकार को भेजी जाये | और राज्य सरकारों की और से शहीद परिवारों को विशेष वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाये जो शहीदों का सम्मान और उनके आश्रितों का मान होगा | (उपरोक्त पत्रों की प्रतियाँ आपके अवलोकनार्थ सलग्न हैं |)

महोद्य, हम सब जानते है कि हमारे वीर जवान पीर पंजाल से उपर की बर्फिली चोटियों, बाढ़मेर-जैसलमेर के रेगिस्थान, नेपाल-चीन से लेकर ब्रह्मा तक की कष्टकारी राष्ट्रीय सीमा तथा समस्त तटीय क्षेत्र की सुरक्षा के लिये भारतीय सैनिक शून्य से निम्नबिन्दु के तापमान पर, 50° की उच्चतम गर्मी तथा सीलन व उमस भरे पूर्वी व तटीय क्षेत्र में आधिरात एवं दोपहर की चिलचिलाती धूप में भी मुस्तैद दिखता है, जब देश का समस्त संभ्रान्त वर्ग (अधिकारी एवं राजनेता) चैन की नींद सोता है | आप तो स्वयं देश के सच्चे सिपाही रहे हैं, इस बारे में भली भांती जानते हैं |

महोद्य, वर्ष 1962, 1965, 1971 व 1999 कारगिल युद्ध से लेकर श्रीलंका, सुडान इत्यादि अन्य देशों में भेजी गयी शान्ति सेना के दौरान अब तक जितने भी वीरों ने मातृभूमि एवं मानवता के लिये अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है | उन में से कुछ परिवारों को छोड़ कर बहुताय में विपणता का जीवन यापन कर रहे हैं| सरकारी तौर पर कुछेक परिवारों को पैट्रोल पम्प या गैस एजेन्सी दी गई हैं | परन्तु ज्यादातर परिवार आज भी साधन हीन बेरोजगार है, जो पहाडों में पत्थर तोडने व मजदूरी करने को मजबूर हैं | क्या उन शहीद परिवारों के साथ ऐसा होना शहीदों की शहादत का अपमान नहीं है | फिर शहीद आश्रित सरकारों की बेरुखी का शिकार क्यों?

महोद्य, उन अमर शहीदों के परिवार जिन्होने अपना सहारा जवानी की दहलीज पर ही देश के लिये कुर्बान कर दिया हो, उनको केन्द्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा सम्मान जनक जीवन जीने के साधन आर्थिक सहायता/व्यावसायिक प्रतिष्ठान के रूप में प्रदान करती है तो, यह सवा अरब भारतियों के गौरव का विषय होगा | यदि हम शहीद आश्रित परिवारों को पूर्ण मान-सम्मान दें जिसके वो हकदार हैं | तथा युवाओं को सरकारी नीतियों के माध्यम से यह गारंटी दे की राष्ट्र के लिये काम आने वाले के परिवार को

राष्ट्रीय धरोहर मान कर उनकी हर प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ती करना केन्द्र व राज्य सरकारों का उत्तरदायित्व होगा, तो भविष्य में किसी सैनिक का सिर कलम करना तो दूर की बात है, हमारे ललाट की तराफ भी दुश्मन उंगली उठाने का दुस्साहस नहीं करेगा |

महोद्य, हमारा महान भारत देश ही है जो दुनिया में इसी लिये महान है कि हमारे पास एक कोमल हृदय है, उसकी सुनते हैं और महसूस भी करते हैं | आप कृपया अपने दिल की गहराइयों से जाने और सोचें की जिन शुरवीरों ने अपनी 20 से 30 वर्ष की आयु में देश के लिये अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया हो, उनके परिवारों पर दु:खों का कितना बड़ा पहाड़ टूटा होगा | परंतु यह सोच कर दिल को सुकून और गर्व महसूस जरूर होता है कि बहादुर माँ का लाल, बहन का भाई, एक पत्नी का सुहाग और मासूम का बाप 125 करोड़ भारतीयों के लिये काम आया और अपना फ़र्ज़ अदा कर दुनिया से रुक्षत हो गया | लेकिन सरकार द्वारा अभी अपना पूरण फ़र्ज़ अदा करना बाकी है, जो काफी हद तक निम्नलिखित मांगे मान कर पूरा किया जा सकता है, जिसके लिये कोई भी देश का कानून या समाज का विरोध आड़े नहीं आने वाला |

1. खिलाडियों की तरह शहीद की शहादत पर कम से कम 2 से 5 करोड़ सहायता राशि और परिवार के एक सदस्य को उसकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर बिना किसी परीक्षा और साक्षात्कार के नौकरी प्रदान की जाये |
2. लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभाओं में सीटें आरक्षित की जायें जैसे अन्य श्रेणियों के लिये आरक्षित है, क्योंकि शहीद ही देश की 125 करोड़ जनता के असली नायक हैं, जिन्होने संसद की नींव को अपने रक्त से सींचा है |
3. जो वीर सैनिक मातृभूमि के लिये शहीद हुए हैं उनके परिवारों को राज्य / केन्द्र सरकार की और से तुरंत एक-एक करोड़ रुपये सहायता राशि के रूप में दिये जायें, जो शहीदों की शहादत का सम्मान और शहीदों के आश्रितों का मान होगा |

महोदय्, सरकार द्वारा मांगे न माने जाने की सूरत में शहीद परिवार अक्तूबर माह में जन्तर मन्त्र (दिल्ली) पर एक दिन का धरना देना चाहते हैं | इसलिये हमारी हार्दिक इच्छा है कि आप अपने किमती समय में से थोड़ा वक्त निकल कर शहीद आश्रितों के साथ बिताएं क्योंकि आपकी उपस्तिथि शहीद परिवारों के लिये शक्ति का संचार करेगी और सरकार को मांगे मानने पर मजबूर करेगी | जो आपकी और से देश के शहीदों को सच्ची श्रधांजलि होगी | हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप अपने किमती समय में से हमें समय प्रदान करने की कृपा करेंगें |

महोदय्, आपसे विनम्रता पूर्वक अनुरोध किया जाता है कि आप अपनी स्वयं की अनुसंसा के साथ केन्द्र सरकार व महामहिम राष्ट्रपति महोदय्, भारत सरकार को अपनी सिफारिश भिजवाने की व्यवस्था करें | आपका यह छोटा सा प्रयास बूढ़ी माताओं, लाचार विधवाओं, अनाथ बच्चों एवं अभागिन बहनों, जो एक भुजा के रूप में खो चुकी भाइयों के लिये संबल का काम करेगा | इससे आपको अत्याधिक संतुष्टि मिलना लाजमी है |

अत: आपसे विन्नति है कि इस पुण्य: कार्य में अपनी आहुति प्रदान करते हुये हमें सूचित करवाने की कृपया करें |

धन्यवाद सहित

जय हिंद !

निष्ठापूर्वक,

09/09/14

(Vijay K. Sangwan)
President
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)
Regd. Off : # 587, (Park Corner), Sector - 21

RAJ BHAVAN
HYDERABAD-500 041

SPECIAL CHIEF SECRETARY TO GOVERNOR
ANDHRA PRADESH & TELANGANA

Letter No.13530/A2/S/2014, Dated 13-09-2014

To
The Principal Secretary,,
Home (Sainik Welfare) Department,
Government of Andhra Pradesh,
A.P.Secretariat,
Hyderabad (we).

The Principal Secretary,,
Home (Sainik Welfare) Department,
Government of Telangana,
Telangana Secretariat,
Hyderabad (we).

Sir,

Sub: Representation of the President, Voice of Martyrs Welfare Association Sector-21, Panchkula, Haryana–Forwarded.

Ref: Representation from the President, Voice of Martyrs Welfare Association Sector-21 Panchkula, Haryana Dated: 04-09-2014.

*****

I am to send herewith a copy of the Representation cited above for appropriate action as deemed fit.

Yours faithfully,

for Special Chief Secretary to Governor

Copy to :

The President,
Voice of Martyrs Welfare Association,
587, (Park Corner) Sector-21,
Panchkula,
Haryana–134 112.

GOVERNMENT OF ASSAM
GENERAL ADMINISTRATION (A) DEPARTMENT
DISPUR, GUWAHATI-6

No. GAG (A) 168/2012/111 Dated Dispur, the 09th September' 2014

From : Shri K. Sarmah,
Under Secretary to the Govt. of Assam
General Administration (A) Department

To : The President,
Voice of Martyr's Welfare Association (Regd.),
Regd. Off. # 587,Sec-21(park Corner),
Panchkula, Haryana-134112.

Subject : Regarding providing help to the families of the martyrs who have sacrificed their lives for the sake of the motherland.

Reference : Your letter No. VOM/142/14 dtd. 09/05/2014 addressed to Hon'ble Chief Minister, Assam.

Sir,

With reference to your letter cited above, I am directed to enclose herewith a copy of letter No.DSW.156/XII/03/133 dtd. 28.8.2014 along with its enclosures received from the Director, Sainik Welfare, Assam and to inform that there is no any pending case except one in the Directorate, Sainik Welfare, Assam as intimated.

Enclo: As stated above.

Yours faithfully,
09/09/14

Under Secretary to the Govt. of Assam
General Administration (A) Department

Memo No. GAG (A) 168/2012/111- A Dated Dispur, the 09th September' 2014

Copy to :-

1. S.O. to Chief Secretary, Assam, Dispur, Guwahati -6 for kind information w.r.t. his letter No.SO/CS/MEMORANDUM/2014/13 dtd. 16/07/2014.
2. P.S. to Commissioner & Secretary, General Administration Deptt, Dispur, Guwahati -6.

By Order etc.,

Sd/-

Under Secretary to the Govt. of Assam,
General Administration (A) Department.

Tele: 26192359, Fax: 011-26192362

Kendriya Sainik Board
Ministry of Defence
West Block-IV, Wing-VII
R K Puram, New Delhi-66

No. 27/103/F-26/KSB/VIP/G

15 Sep 14

Director
Dte of Sainik Welfare
Punjab Sainik Bhawan,
Sector – 21-D,
Chandigarh - 160022

REDRESSAL OF GRIEVANCES: SHRI VIJAY KUMAR SANGWAN, PRESIDENT, VOICE OF MARTYRS WELFARE ASSOCIATION (REGD), CHANDIGARH

1. Please refer to MoD ID No.15/1270/Punjab/2014/D(Res-II) dated 05 Jun 14 (copy enclosed).

2. It is requested that the applicant may please be apprised of exgratia/financial assistance/benefits/concessions provided by Punjab State to dependents of Martyrs. Feasibility of benefits not provided, but proposed herein may please be examined for consideration by the State Govt.

3. The petitioner may be replied to directly under intimation to this office.

(Vivek Joshi)
Lt Col
Jt Dir (Grievances)
For Secretary, KSB

Encl: As above
Copy to:

US (Res-II) /MoD

DGR — Request examine proposal at para 2(i) for feasibility & consideration and reply direct to petitioner under intimation to this office.

Shri Vijay Kumar Sangwan
President
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd)
S.C.F.-326,F.F, Motor Market, Manimajra,
Chandigarh

-For information please.

VOICE OF MARTYR'S
WELFARE ASSOCIATION
Receipt No. 103
Date 30/9/14

(77)

No.SWD (F)4-4/2013 Part-I
Government of Himachal Pradesh.
Sainik Welfare Department

VOICE OF MARTYR'S
WELFARE ASSOCIATION
Receipt No. 104
Date 02/10/14

From

The Secretary (Sainik Welfare) to the
Government of Himachal Pradesh.

To

The Director,
Sainik Welfare Department,
Hamirpur Distt, Hamirpur.

Dated Shimla-171002 the September, 2014

Subject:- Regarding forward the cases of honour / financial assistance to the dependents of martyrs soldiers.

Sir,

I am directed to send herewith a copy of letter No. VOM/GEN/4813 Dated 4/9/2014 submitted by Sh.Vijay Kr. Sangwan President Voice of Martyrs Welfare Association Panchkula received from Deputy Secretary to Chief Minister on the subject cited above and to request you to examine the matter and take appropriate action under intimation to this Department as well as to the quarter concerned

Yours faithfully,

(Raipal)
Under Secretary (Sainik Welfare) to the
Government of Himachal Pradesh.

Endst. No. As above. Dated Shimla-171002 the 26/9/ ~~August~~, 2014

Copy forwarded to the following for information:-

1. The Deputy Secretary to Chief Minister, H.P w.r.t his letter No. Secy/CM-S1003/2012 –DEP-A-173134 Dated 23-9-2014
2. Sh.Vijay Kr. Sangwan President Voice of Martyrs Welfare Association, Regd. Off- # 587 (Park Corner) Sectore-21 Panchkula -134112 Haryana. w r.t his letter referred to above

Under Secretary (Sainik Welfare) to the
Government of Himachal Pradesh

(124)

No : 10-12 /(Misc)2014-SWD
Directorate of Sainik Welfare
Himachal Pradesh at Hamirpur

Hamirpur-177001, Dated 7 October 2014

From :

The Director
Sainik Welfare, HP

VOICE OF MARTYR'S
WELFARE ASSOCIATION
Receipt No. 106
Date 01/11/14

To :

The Secretary
Kendriya Sainik Board
MOD, West Block – 4, Wing – V
RK Puram, New Delhi – 110 022

SUB: REGARDING FORWARD THE CASES OF HONOUR/FINANCIAL ASSISTANCE TO THE DEPENDENTS OF MARTYRS SOLDIERS.

Sir,

A copy of the letter of Voice of Martyrs Welfare Association(Regd) , Panchkula received through the Secy.(SWD), Govt. of HP, Shimla vide their letter No.SWD(F)4-4/2013 Part-I dated 26 September 2014 is forwarded herewith for your further necessary action please.

Yours faithfully

(Chaman Lal,HAS)
Officer On Special Duty
Dte of Sainik Welfare,HP
Tele No. 01972-221854
Fax No. 01972-225643
E.mail dir-sw-hp-@nic.in

Encls: As above

Endst No. As above, Hamirpur-177001 Dated 27 October 2014

1. The Secy.(SWD), Govt. of HP, Shimla – For information please w.r.t letter No. SWD(F)4-4/2013 Part-I dated 26 September 2014.

2. Sh. Vijay Kr. Sangwan President , Voice of Martyrs Welfare Association , Office # 587, (Park Corner, Sector 21, Panchkula -134112- for information please.

Yours faithfully

(Chaman Lal,HAS)
Officer On Special Duty
Dte of Sainik Welfare,HP
Tele No. 01972-221854
Fax No. 01972-225643
E.mail dir-sw-hp-@nic.in

(125)

टेलीफैक्सः 0135–2743773

निदेशालय सैनिक कल्याण एंव पुनर्वास, उत्तराखण्ड
15– सी, कालीदास मार्ग हाथीबडकला
देहरादून–248003

संख्याः 3012 / कल्याण / प्रगति

दिनांक : 29 अक्टूबर 2014

सेवा में,

श्री विजय कुमार संगवान,
अध्यक्ष
शहीदों की आवाज कल्याण संघ
587 (पार्क कार्नर) सेक्टर–21
पंचकुला हरियाणा –134112

VOICE OF MARTYR'S
WELFARE ATION
Receipt No. 107
Date 03-11-2014

विषय :–मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यालय / विभिन्न स्तरों से प्राप्त प्रकरणों पर नियमानुसार यथोचित कार्यवाही किये जाने के संबंध में।

1. उपरोक्त विषयक कृपया अपने संख्या–DIS/3690525/Sep/2014 दिनांक 04 सितम्बर 2014 जो कि माननीय मुख्यमंत्री जी को सम्बोधित है। माननीय मुख्यमंत्री कार्यालय के पत्र संख्या– VIP(M)/ 11100/XXXV-1/2014(1) दिनांक 29 सितम्बर 2014 के द्वारा प्रमुख सचिव सैनिक कल्याण उत्तराखण्ड शासन को प्रेषित किया गया। उक्त पत्र अनु सचिव सैनिक कल्याण उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या– 950 / XVII-5/14-09(38)/2011 TC दिनांक 13 अक्टूबर 2014 के माध्यम से इस निदेशालय को प्राप्त हुआ का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2. उक्त के संबंध में अवगत कराना है कि उत्तराखण्ड एक सैन्य बाहुल्य प्रदेश है तथा प्रदेश सरकार द्वारा शहीद सैनिकों के आश्रितों, सैनिक विधवाओं, पूर्व सैनिकों एवं सैनिक आश्रितों के कल्याणार्थ विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित प्रकाशित लीफ–लेट आपके सूचनार्थ संलग्न कर प्रेषित है।

भवदीय,

(पी0बी0 गुरूंग)
मेजर (अ0प्रा0)
उपनिदेशक

प्रतिलिपि :–

1. निजी सचिव
मा0 मुख्यमंत्री
उत्तराखएड शासन

2. अनु सचिव
सचिव सैनिक कल्याण,
उत्तराखण्ड शासन

महोदय आपके उपरोक्त पत्र के सन्दर्भ में सूचनार्थ प्रेषित।

उपनिदेशक

D/All ZSK/Dehradun/Kaintura

REGISTERED
POST

126

From,

The President,
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)
H.No. 587 (Park Corner), Sector-21, Panchkula-134112

To,

The Secretary to the Government of India
Ministry of Defence,
South Block, New Delhi-110001
Memo No.: VOM/GEN/7443/14-cc
Dated: 03 Nov. 2014

Subject: Reminder for providing economic assistance to the Families/dependants of our martyrs-reg.

Respected Sir,

With reference to His Excellency, the President of India Secretariat letter Sl. No: P1/D/0805140196 dated 08.05.2014 addressed to you and copy to us directing to communicate to organisation the action taken on petition forwarded by the Secretariat.

Sir, we are a big nation, world's largest democracy and quite proud of our brave and devoted defence force. We earnestly feel that our centre Govt. and state Govt.'s shall look into the valid and deserving cases of our Martyrs Family pertaining to the wars of 1962, 1965, 1971 sympathetically on top priority so that their dependents can lead respectable life. This would indeed be an apt and befitting homage to the Martyrs.

Vide the organisation letter no. *VOM/104/14 dated 5.5.2014, His Excellency, the President of India was also* requested to consider the following issues of the families of the Martyrs.

1. **Payment of Rs.1 Cr. as immediate financial relief to the Martyrs Family.**
2. **On par, with the amount given to sports persons, a relief of Rs.2 Cr. To Rs.5 Cr. be given to the family of Martyrs on the death of soldier and employment to one person from the family on the basis of qualification without any test or interview.**
3. **Reservation in Lok Sabha / Rajya Sabha seats and Vidhan Sabha Seats at par with other classes.**

Sir, the desired action on the requests made as also directed by the President Secretariat has yet not been taken by the concerned department. Kindly ensure that the action be taken at the earliest and subsequently intimated to the organisation.

Thanking You.

Yours faithfully,

03/11/14

(Vijay K. Sangwan)
President
Voice of Martyrs Welfare Association (Regd.)
Regd. Off.: # 587, (Park Corner) Sector - 21,
Panchkula - 134112 (Haryana)
Mob. 09316131225, 9466983525

REGISTERED
POST

C.C.

A copy of the above is forwarded to His Excellency, the President of India with reference to this organisation letter No. VOM/104/14 dated 5.5.2014 for information and favourable action please.

JAI HIND!